Name.....

मोतियों का हार और हनुमान

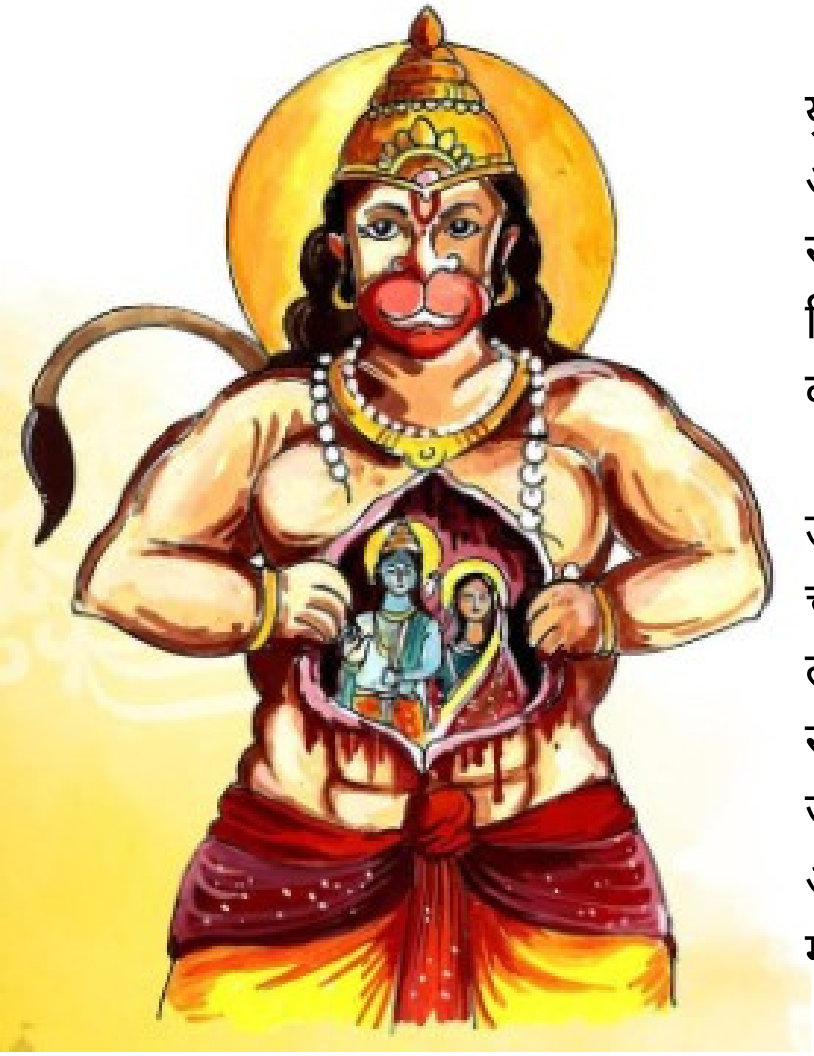

युद्ध से विजयी होकर वापस आने के बाद, भगवान राम उन सभी को पुरस्कृत कर रहे थे जिन्होंने युद्ध में उनकी सहायता की थी।

जब राम ने हनुमान से पूछा कि उन्हें उपहार के रूप में क्या चाहिए, तो हनुमान ने कुछ भी लेने से इनकार कर दिया। माता सीता ये सब देख रहीं थीं. सीता जी ने हनुमान को देखकर, अपने पास बुलाया और अपना मोतियों से बना एक हार दिया।

हनुमान ने उपहार स्वीकार कर लिया और वे अपने दांतों से एक-एक मोती तोड़ने लगे। चकित होकर, माता सीता ने हनुमान से पूछा कि वह मोती क्यों तोड़ रहे हैं,तो उन्होंने उत्तर दिया कि वह मोतियों में सीता-राम को ढूंढ रहे हैं , लेकिन एक भी मोती में उन्हें सीता-राम नहीं मिले ।

दरबार के अन्य मंत्री ये सब देख कर हनुमान जी का मजाक उड़ाना शुरू कर देते हैं और उनमें से एक ने हनुमान से पूछा कि क्या उनके शरीर में भी सीता- राम हैं? जवाब में, हनुमान ने अपने हाथों से अपनी छाती को बीच से चीर दिया और सभी को उनके ह्रदय में सीता-राम की छवि दिखाई दी ।

भगवान राम और माता सीता के प्रति उनकी भक्ति और प्रेम देखकर सारे भक्त गण हैरान थे और सभी ने उन्हें प्रणाम किया ।

www.creativeworksheetshub.com